सामान्य और असामान्य में अन्तर

Difference between Normal and abnormal.

असामान्यता से सम्बन्धित विभिन्न दृष्टिकोण के आधार पर कहा जा सकता है कि सामान्य और असामान्य में गुण तथा प्रकार दोनों का अन्तर होता है फिर भी दोनों के बीच सीमा-रेखा खींचना बहुत कठिन है। कुछ कसौटियों के आधार पर अन्तर निम्न प्रकार है।—

① परिस्थिति के अनुकूल होना (To be appropriate to the occasion)
सामान्य व्यक्ति परिस्थिति के अनुरूप कार्य करता है जैसे दुःखद परिस्थिति में दुखी होना और सुखद में खुश होना जबकि असामान्य व्यक्ति दुःखद और सुखद परिस्थिति में अन्तर नहीं कर पाने के कारण दुख में हँसता है और सुख में रोता है।

② सामाजिक कल्याण के लिए हितकर होना (To be helpful for the social welfare) सामान्य व्यक्ति समाज के हित के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहता है, जबकि असामान्य व्यक्ति में इस गुण का अभाव पाया जाता है।

(3) अपने आप के लिए हितकर होना (To be helpful for the individual himself) - सामान्य व्यक्ति जो काम करता है, उसमें उसका अपना हित छिपा रहता है।
जबकि असामान्य व्यक्ति का व्यवहार न तो स्वयं के लिए और न ही समाज के लिए हितकर होता है। जैसे मनोविकृति से ग्रस्त या मानसिक दुर्बलता से ग्रस्त व्यक्ति।

(4) सही तरीकों से अपनी जीविका अर्जन करना (To earn livelihood by fair means) सामान्य व्यक्ति को उचित-अनुचित का ज्ञान रहता है जबकि असामान्य व्यक्ति को उचित-अनुचित का ज्ञान नहीं रहने के कारण जीवन शैली कष्टकर रहता है।

(5) आस पास के लोगों के साथ मिलकर रहना (To live harmoniously with the people around) - सामान्य व्यक्ति आस पास के लोगों के साथ मिल जुल कर रहता है जबकि असामान्य व्यक्ति में इसका अभाव पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

(6) सही गलत का ज्ञान होना (To be in know of right or wrong) – सामान्य व्यक्ति को सही और गलत का ज्ञान रहता है। कौन सा कार्य सामाजिक, नैतिक, धार्मिक परम्पराओं के अनुकूल है और कौन सा प्रतिकूल।

जबकि असामान्य व्यक्ति में सही या गलत का ज्ञान नहीं रहता है।

(7) पश्चाताप का अभाव (To have the feeling of remorse) – सामान्य व्यक्ति अपने द्वारा किए गये गलत और अवैधानिक कार्यों को स्वीकारते हुए पश्चाताप करने को तैयार हो जाता है।

जबकि असामान्य व्यक्ति गलत या अवैधानिक काम करने के बाद भी यह नहीं समझता कि उसने गलती की है और इसके लिए वह पश्चाताप भी नहीं करता है।

कमलेश प्र० सिंह
मनोविज्ञान विभाग
एस.एन.एस.कॉलेज एस
कॉलेज, सहरसा

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
Scanned with CamScanner